Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H.D jain college, Ara

Notes for UG semester 2

Topic :- प्राचीन मिस्र की सभ्यता में स्त्रियों की दशा का वर्णन करें

प्राचीन मिस्र की सभ्यता (लगभग 3000 ईसा पूर्व से 332 ईसा पूर्व) में स्त्रियों की स्थिति अन्य समकालीन सभ्यताओं की तुलना में अधिक सम्मानजनक और स्वतंत्र थी। मिस्री समाज में महिलाओं को कई कानूनी, सामाजिक और आर्थिक अधिकार प्राप्त थे, जो उन्हें ग्रीस या रोम जैसी अन्य प्राचीन सभ्यताओं की महिलाओं से बेहतर स्थिति में रखते थे।

1. कानूनी स्थिति

- महिलाओं को संपत्ति खरीदने, बेचने और विरासत में लेने का अधिकार था।
- वे कानूनी अनुबंध कर सकती थीं और न्यायालय में मुकदमा भी दायर कर सकती थीं।
- विवाह और तलाक की प्रक्रिया में महिलाओं को स्वतंत्रता थी; यदि वे तलाक लेतीं, तो उन्हें आर्थिक सहायता मिलती थी।

2. सामाजिक स्थिति

- महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त थे, हालांकि सामाजिक संरचना पितृसत्तात्मक थी।
- वे धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले सकती थीं और देवी-देवताओं की पूजा कर सकती थीं।
- उच्च वर्ग की महिलाओं को विशिष्ट परिधान पहनने, आभूषण धारण करने और सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग करने की स्वतंत्रता थी।

3. धार्मिक एवं राजनीतिक भूमिका

- कई महिलाएँ देवी-उपासक और मंदिरों की पुजारिन बनती थीं।
- कुछ मिस्री रानियाँ शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं, जैसे–**हटशेपसुत** और **क्लियोपेट्रा**।
- फरोह (राजा) की माता और पत्नी को विशेष सम्मान दिया जाता था और वे प्रशासन में प्रभावशाली होती थीं।

4. आर्थिक स्थिति

- महिलाएँ व्यापार कर सकती थीं और अपने व्यवसाय चला सकती थीं।
- उन्हें खेतों में काम करने, कारीगरी में भाग लेने और घरेलू नौकरियों में काम करने की अनुमति थी।
- कई महिलाएँ चिकित्सक और लेखक भी बनती थीं।

5. पारिवारिक जीवन

- विवाह को सामाजिक अनुबंध माना जाता था और महिलाओं को विवाह में सम्मानजनक स्थान प्राप्त था।
- मातृत्व को उच्च सम्मान प्राप्त था, और देवी **आइसिस** को मातृत्व का प्रतीक माना जाता था।
- महिलाओं को घरेलू कार्यों की जिम्मेदारी दी जाती थी, लेकिन उन्हें दासों की सहायता भी मिलती थी।

निष्कर्ष

प्राचीन मिस्र में महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत स्वतंत्र और सम्मानजनक थी। वे संपत्ति और कानूनी अधिकारों के साथ-साथ धार्मिक और राजनीतिक प्रभाव भी रखती थीं। हालाँकि, उनका मुख्य कार्य घरेलू जिम्मेदारियों से जुड़ा था, फिर भी वे शिक्षा, व्यापार और प्रशासन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सक्षम थीं।